मॉडल सेट-10

खण्ड-'क' (अपठित गद्यांश- 13 अङ्काः)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें:-

एकस्मिन् वने एकः विशालः वृक्षः आसीत्। तस्मिन् बहवः खगाः वसन्ति स्म एकदा ते अतीव बुभुक्षिताः आसन्। अतः भोजनं खादितुम् इतस्ततः भ्रमन्ति स्म। अन्ते च एकस्मिन् क्षेत्रे तण्डुलकणान् अपश्यन्। ते तत्र गत्वा प्रसन्नतया तण्डुलान् अखादन् परन्तु जालेन बद्धाः अभवन्। अधुना किं करणीयम् इति चिन्तयित्वा ते सर्वे जालेन सह एकं स्वमित्रम् उपागच्छन्। तेषां मित्रम् एकः मूषकः आसीत्। सः जालं दन्तैः अकर्त्तयत्। अन्ते सर्वे स्वतंत्रताः भूत्वा अनृत्यन् अगायन् च- ''सुखं तु एकतायाम् एव विद्यते।''

(क) एक पद में उत्तर दें: 4 x1= 4

(i) विशालवृक्षे के वसन्तिस्म?

(ii) कः खगानां मित्रम् आसीत्?

(iii) सुखं कुत्र विद्यते?

(iv) खगाः प्रसन्नतया किं खादन्तिस्म?

(ख) पूर्ण वाक्य में उत्तर दें: 2 x2= 4

(i) खगाः भोजनाय कुत्र भ्रमन्ति स्म?

(ii) मूषकः किम् अकरोत्?

(ग) निर्देशानुसार उत्तर दें:- 4 x1= 4

(i) अस्मिन् गद्यांशे वृक्षः पदस्य किं विशेषणपदं प्रयुक्तम्?

(ii) गद्यांशे 'अखादन्' इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किम्?

(iii) 'अवलोकयन्ति स्म' इत्यर्थे किं पदं प्रयुक्तम् अस्ति?

https://www.evidyarthi.in/

(iv) 'मुक्ता' इति पदस्य अत्र किं विलोमपदं प्रयुक्तम्?

(घ) अस्य अनुच्छेदस्य उपयुक्तं शीर्षकं लिखत। 1

खण्ड-'ख' (रचनात्मक कार्यम्-पत्र लेखनम्)

2. मञ्जूषा में दिए गए शब्दों से पत्र में स्थित रिक्त स्थानों को भरें: 8 x1= 8

मञ्जूषा: पाटलिपुत्रत:, सखिभ्य:, प्रचलति, प्रियवत्से,
कुशलिन: पिता, परीक्षा, कुशलिनी

(I)

(II). शुभे,

शुभाशंसा:।

मन्ये भवती तत्र (III) । अत्र गृहे सर्वे (IV) सन्ति। अत्र सर्वे जना: भवतीं सर्वदा स्नेहेन स्मरन्ति। भवत्या: स्वास्थ्यं कथम् अस्ति इति लिखतु। भवत्या: पठनं सम्यग् एव (V) इति मन्ये। अर्द्धवार्षिकी (VI) समाप्ता न वा? अवकाशस्य आरम्भ: कदा भविष्यति इति लिखतु। शीघ्रम् अत्र आगच्छतु। अन्यत् सर्वं कुशलम् अस्ति। भवत्या: (VII) मम शुभाशिष:।

भवदीय (VIII)

श्याम:

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संस्कृत में सात वाक्यों का अनुच्छेद लिखें:

(i) डा॰ राजेन्द्र प्रसाद: (ख) विज्ञानम्

(ii) प्रात: भ्रमणम् (घ) चलभाषित यंत्रम्

4. निर्देशानुसार उत्तर दें:

https://www.evidyarthi.in/

(क) ''अति+ आचार:'' (संधि करें)

(ख) निरूपाय: (संधि विच्छेद करें)

(ग) 'ओ+अ' के मेल से कौन सा वर्ण बनेगा?

(घ) 'संस्कृत' किस संधि का उदाहरण है?

5. (क) 'भवति' किस विभक्ति का रूप है? 1

(ख) 'तस्मिन्' का मूल शब्द क्या है? 1

(ग) 'चर्मणि द्विपिनं हन्ति' 'चर्मणि' में कौन सी विभक्ति है? 1

(i) प्रथम (ii) तृतीया (iii) पंचमी (iv) सप्तमी

6. (क) हसेयु: किस धातु का रूप है? 1

(i) हस् (ii) हास् (iii) हसि (iv) हश्

(ख) 'वर्धस्व' किस लकार का रूप है? 1

(i) लट् (ii) लङ् (iii) लोट् (iv) लृट्

7. (क) 'अभियान:' पद में कौन सा उपसर्ग लगा हुआ है? 1

(ख) किस शब्द में 'आङ्' उपसर्ग लगा हुआ है? 1

(i) आदाय (ii) अदय (iii) आर्य (iv) अस्ति

8. (क) 'चि+ल्युट्' योग से कौन सा शब्द बनेगा?

(i) चेयम् (ii) चयनम् (iii) चायनम् (iv) चावनम्

(ख) 'गरिष्ठ:' में कौन सा तद्धित प्रत्यय लगा है? 1

(i) ईयसुन् (ii) ईष्ठन् (iii) इञ् (iv) अण्

9. (क) 'अश्व' का स्त्रीलिंग रूप क्या होगा? 1

(i) अश्वी (ii) अश्वा (iii) आश्वा (iv) अश्वानी

(ख) 'कीदृशी' में कौन सा स्त्री प्रत्यय हैं? 1

https://www.evidyarthi.in/

(i) टाप् (ii) चाप् (iii) ङीष् (iv) ङीप्

10. (क) 'प्र+दा+ल्यप्' से कौन सा शब्द बनेगा? 1

(i) प्रदानम् (ii) प्रदाय (iii) प्रदत्त (iv) प्रदिंय

(ख) शक्+क्तिन् से क्या शब्द बनेगा? 1

11. निर्देशानुसार उत्तर दें:

(क) 'बकहंसयो:' का विग्रह करें? 4 x1= 4

(ख) 'नेत्रयो: समीपम्' का समस्त पद लिखें?

(ग) ''पीतवस्त्र:'' में कौन सा समास है?

(घ) कर्मधारय समास का एक उदाहरण दें।

12. (क) 'आख्यातोपयोगे' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या करें? 2

(ख) 'उदिते सूर्ये कमलं विकसित यहाँ 'उदिते सूर्ये' में किस विभक्ति का प्रयोग किस सूत्र के आधार पर हुआ है? 2

13. निम्नलिखित में से किन्हीं सात वाक्यों का अनुवाद संस्कृत में करें:- 7 x1= 7

(क) वामन बलि से पृथ्वी माँगता है।

(ख) ज्ञान बहुत पवित्र होता है।

(ग) रमेश को मिठाई अच्छी लगती है।

(घ) सीता कल वहाँ गई थी।

(ङ) छात्र पढ़ने के लिए विद्यालय जाते हैं।

(च) मुझे संस्कृत पढ़नी चाहिए।

(छ) राम वस्त्र से सज्जन प्रतीत होता है।

(ज) नेता पद चाहते हैं।

(झ) मेरे द्वारा ग्रंथ पढ़ा जाता है।

https://www.evidyarthi.in/

(ञ) लड़की जल से मुँह धोती है।

खण्ड-'घ' (पठित अवबोधनम्)

14. निम्नलिखित गद्यांशों का अनुवाद हिन्दी में करें:- 3 x2= 6

(क) विवाह संस्कारपूर्वकमेव मनुष्यः वस्तुतोः गृहस्थजीवनं प्रविशति।

(ख) अद्य रामप्रवेशरामस्य प्रतिष्ठा स्वप्रान्ते केन्द्र प्रशासने च प्रभूता वर्त्तते।

(ग) शास्त्रं नाम ज्ञानस्य शासकमस्ति। मानवानां कर्त्तव्याकर्त्तव्य-विषयान् तत् शिक्षयति।

15. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दें: 4 x1= 4

(क) केन कृतं व्याकरणं प्रसिद्धम्?

(ख) असहिष्णुतां कः जनयति?

(ग) काल पर्यात् का क्षयं गच्छति?

(घ) याज्ञवल्क्यस्य पत्नी का आसीत्?

16. विश्वशांति पाठ का मुख्य उद्देश्य क्या है? 3

17. 'पाटलिपुत्रवैभवम्' पाठ के आधार पर पाटलिपुत्र नगर की समृद्धि का वर्णन करें। 3

18. निम्नलिखित श्लोकों का अर्थ हिन्दी में लिखें:- 2 x2= 4

(क) जगद्गौरवं भारतं शोभनीयं सदास्माभिरेततथा पूजनीयम्।
भवेद् देशभक्तिः समेषां जनानां परादर्शरूप सदावर्जनीया।।

(ख) अयं निजः परोवेति गणना लघुचेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।।

19. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दें:- 4 x1= 4

(क) 'मन्दकिनी-वर्णनस्य' रचयिता कः?

(ख) स्त्रियः गृहस्य काः उक्ताः सन्ति?

https://www.evidyarthi.in/

(ग) अस्माकं भारतीया धरा कीदृशी अस्ति?

(घ) विद्वान् कीदृशं पुरूषं वेत्ति?

20. 'कर्णस्य दानवीरता' पाठ के आधार पर इन्द्र के चरित्र की विशेषताओं का वर्णन करें। 3

21. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या करें:- 3

इयं निर्मला वत्सला मातृभूमिः प्रसिद्धं सदा भारतं वर्षमेतत्।

विभिन्ना जनाः धर्मजातिप्रभेदैः- रिहैकत्वभावं वहन्तो वसन्ति।।

22. (क) 'नीतिश्लोकाः' पाठ के आधार पर मूढ़चेता नराधमः किसे कहा गया है?

(ख) 'नूनमसौ कर्मवीरो व्यतीत्य बाधाः प्रशासनकेन्द्रे लोकप्रियः संजातः।

सत्यमुक्तम्-उद्योगिनं पुरूषसिंहमुपैति लक्ष्मीः।''

(i) यह उक्ति किस पाठ से ली गई है?

(ii) केंद्रीय प्रशासन में किसकी लोकप्रियता हो गई?

(iii) लक्ष्मी किसके पास आती है?

23. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर में एक पद में दें:- 4 x1= 4

(क) 'अन्नप्राशनम्' केषु संस्कारेषु गण्यते?

(ख) विजयभट्टारिका कस्य राज्ञी आसीत्?

(ग) तत्रैव कति पुरूषाः सुप्ताः?

(घ) कक्षायां कः प्रविशति?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तराणि

मॉडल सेट-10

खण्ड-'क' (अपठित अवबोधनम्)

1. (क) (i) खगाः (ii) मूषकः (iii) एकतायाम् (iv) तण्डुलान्

(ख) (i) खगाः भोजनाय इतस्ततः भ्रमन्ति स्म।

(ii) मूषकः जालं स्वदन्तैः अकर्त्तयत्।

(ग) (i) विशालः (ii) ते (iii) अपश्यन् (iv) बद्धाः

(घ) सुखं तु एकतायाम् एव विद्यते

खण्ड (ख) (रचनात्मक-कार्यम्-पत्रलेखनम्)

2. (i) पाटलिपुत्रतः (ii) प्रियवत्से (iii) कुशलिनी (iv) कुशलिनः

(v) प्रचलति (vi) परीक्षा (vii) सखिभ्यः (viii) पिता

3. **(i) डा॰ राजेन्द्र प्रसादः**

डा॰ राजेन्द्र प्रसादः स्वतंत्र भारतस्य प्रथमः राष्ट्रपतिः आसीत्। सः बिहारराज्यस्य एकः महान् नेता आसीत्। तस्य जन्म सीवान मण्डलान्तर्गते जीरादेई नाम्नि ग्रामे 1884 तमे खीष्टाबदे अभवत्। सः बाल्यादेव कुशाग्रबुद्धिः आसीत्। सर्वासु परीक्षासु प्रथमश्रेण्यां प्रथममेव स्थानं तेन लब्धम्। तस्य विनम्रता सर्वैः प्रशंसनीया। तस्य सदृशं आचरणं अस्माकमपि भवेत्- एषः प्रयासःसदैव करणीयः।

(ii) विज्ञानम्

संप्रति विज्ञानस्य युगमस्ति। सर्वत्र विज्ञानस्य महत्वं दृश्यते। यन्त्रं, व्यजनं, शीततापयंत्रकं, क्रीडनकं, संगणकम् इत्यादयः सर्वे विज्ञानस्य अवदानः सन्ति।

https://www.evidyarthi.in/

चलभायन्त्रं तु जीवनस्य आधारः एव। चिकित्सा क्षेत्रे इदं वरदानस्वरूपं मन्यते। अनेकाः रोगाः अस्य प्रयोगेन पलायन्ते। अद्यत्वे वयं विज्ञानस्योपरि अवलंबिताः स्मः

(iii) मम दिनचर्या

अहं दशम कक्षायाः एकः छात्र अस्मि। जीवनस्य सफलता सम्यक् दिनचर्यया भवति। अहं प्रातः पञ्चवादने उतिष्ठामि। नित्यकर्मनिवृत्य उद्याने भ्रमणाय गच्छामि। तत्रतः आगत्य सार्धसप्तवादने विद्यालयं गच्छामि, मनसा पठामि च। अतः कक्षायां प्रथमं स्थानं लभे। सायं मित्रैः सह क्रीडामि एवं पुनः पाठं पठित्वा दशवादने शयनं करोमि।

(iv) चलभाषितयंत्रम्

वैज्ञानिकाः आधुनिकेषु संचारसाधनेषु प्रतिदिनं नवीनतमान् आविष्कारान् कुर्वन्ति। अनेन माध्यमेन संदेशप्रेषणे अधिकतमा सुविधा भवति। चलभाषितयंत्रं तादृशं एवं लोकप्रियम्। सर्वस्व जगतः कृते अयं जीवनाधारः एव। परंतु अस्य अविवेकपूर्णः प्रयोगः कार्येषु व्यवधानं करोति। वस्तुतः वयं यन्त्रस्य आधीनाः न स्याम। ते एव बुद्धिमन्तः ये विज्ञानस्य सदुपयोगं कुर्वन्ति।

खण्ड 'ग' (अनुप्रयुक्त व्याकरणम्)

4. (क) 'अत्याचारः' (ख) निः+उपायः (iii) अव् (घ) व्यंजन संधि
5. (क) सप्तमी (ख) तत् (ग) iv- सप्तमी
6. (क) (i) हस् (ख) (iii)- लोट्
7. (क) अभि (ख) (i) आदाय
8. (क) (ii) चयनम् (ख) (ii) ईष्ठन्
9. (क) (ii) अश्वा (ख) ङीप्
10. (क) (ii) प्रदाय (ख) शक्तिः
11. (क) बकस्य च हंसस्य च (ख) उपनेत्रम् (ग) बहुब्रीहिः

https://www.evidyarthi.in/

(घ) नीलकमलम् एवं अन्य

12. (क) 'आख्यातोपयोगे'- जिससे नियमपूर्वक विद्या पढ़ी जाए उसमें पंचमी विभक्ति लगती है। जैसे शिष्यः अध्यापकात् संस्कृतं पठति।

(ख) 'उदिते सूर्ये' में 'भावे सप्तमी' सूत्र से सप्तमी विभक्ति का प्रयोग हुआ है।

13. (क) वामनः बलिं वसुधां याचते।

(ख) ज्ञानम् अतीव पवित्रं भवति।

(ग) रमेशाय मिष्टान्नं रोचते।

(घ) सीता ह्यः तत्र अगच्छत्।

(ङ) छात्रः पठितुं विद्यालयं गच्छति।

(च) अहं संस्कृतं पठेयम्।

(छ) रामः वस्त्रेण सज्जनः प्रतीयते।

(ज) नेतारः पदाय स्पृहयन्ति।

(झ) मया ग्रंथः पठ्यते।

(ञ) बाला जलेन मुखं प्रक्षालयति।

खण्ड 'घ'

14. (क) विवाहसंस्कार से ही मानव वास्तव में गृहस्थजीवन में प्रवेश करता है।

(ख) आज रामप्रवेशराम की प्रतिष्ठा (प्रसिद्धि) अपने प्रांत और केंद्र के प्रशासन में बहुत अधिक है।

(ग) शास्त्र ज्ञान का शासक है। यह मानवों को कर्त्तव्य और अकर्तव्य के बारे में शिक्षा देता है।

15. (क) पाणिनिना कृतं व्याकरणं प्रसिद्धम्।

(ख) असहिष्णुता द्वेषः एव जनयति।

https://www.evidyarthi.in/

(ग) कालपर्यात् शिक्षा क्षयं गच्छति।

(घ) याज्ञवल्क्यस्य पत्नी नाम मैत्रेयी आसीत्।

16. विश्वशांति पाठ का मुख्य उद्देश्य शांति की स्थापना से विश्व का कल्याण करना है। आज विश्व में विभिन्न प्रकार के विवाद छिड़े हुए है जिनसे देशों में आंतरिक और वाह्य अशांति फैली हुई है। सीमा, नदी-जल, धर्म दल इत्यादि को लेकर स्वार्थप्रेरित होकर लोग असहिष्णु हो गए हैं। इससे अशांति का वातावरण बना हुआ है। विश्व की भीषणतम इस समस्या का तार्किक एवं समुचित समाधान इस पाठ के अध्ययन से हो सकेगा-ऐसी आशा है।

17. विश्व के कतिपय प्राचीन नगरों के इतिहाससम्मत स्थलों में पाटलिपुत्र का उल्लेख आवश्यक है। बौद्धधर्म के प्रणेता महात्मा बुद्ध के समय इसे पाटलिग्राम कहा जाता था। यहाँ विद्वानों की मंडली कार्य करती थी, इसे स्वर्ग तुल्य स्थल माना गया है। गुप्तकाल में आयोजित कौमूदी महोत्सव महान् समारोह था। गंगा नदी पर बनाया गया महात्मा गांधी सेतु एशिया महादेश का सबसे बड़ा सेतु था। पटना में गोलघर, संग्रहालय, तारामंडल जैविक उद्यान तथा महावीर मंदिर के साथ सिक्ख संप्रदाय का पूजनीय स्थल- दसवें गुरू गोविन्द सिंह के जन्म स्थल,- जिसे गुरूद्वारा के नाम से जाना जाता है, विश्वप्रसिद्ध है।

18. (क) यह भारत संसार का गौरव और आकर्षक है। यह भूमि हमलोगों के द्वारा सदा पूजनीया है। यहाँ के सभी निवासियों में सदैव दूसरों को प्रेरित करने वाली श्रेष्ठ और आदर्शस्वरूप देशभक्ति हो।

(ख) यह मेरा है, पराया है, ऐसी सोच तुच्छ बुद्धिवालों की होती है, उदार चरित्र वाले लोगों के लिए तो पूरी पृथ्वी ही परिवार के समान होती है।

19. (क) मन्दाकिनी-वर्णनस्य रचयिता महर्षिः वाल्मीकिःआसीत्

https://www.evidyarthi.in/

(ख) स्त्रियः गृहस्य कुलदीप्तयः उक्ताः सन्ति।

(ग) अस्माकं भारतीया धरा विशाला अस्ति।

(घ) विद्वान् परात्परं दिव्यं पुरूषं वेत्ति।

20. 'कर्णस्य दानवीरता' पाठ संस्कृत भाषा के प्रथम नाटककार भास के कर्णभार नामक एकांकी रूपक से संकलित है। जन्मजात कवच कुंडल प्राप्त कर्ण अंग देश का राजा था जो महाभारत के युद्ध में कौरवों की सेना में सम्मिलित था। कृष्ण जानते थे कि कर्ण के कवच कुंडल उसकी पराजय में बाधक थे अतएव उन्होंने इंद्र को विप्र का वेश बनाकर उसके पास जाने एवं कवच-कुंडलों को मांगने की योजना बनाई। इंद्र कर्ण के पास जाता है एवं अपनी माँग रखता है। कर्ण उसे अन्य चीजों का प्रस्ताव देता है परंतु इंद्र अंततः कवच-कुंडल लेकर ही वापस आते हैं और इस प्रकार सत्य के प्रतीक पांडवों की विजय होती है। सत्य का साथ देने में यदि कुछ छल-प्रपंच का सहारा भी लिया जाए तो ऐसा करना उचित है- इस कथा का सार ऐसा प्रतीत होता है।

21. प्रस्तुत सारगर्भित श्लोक हमारी पाठ्यपुस्तक 'पीयूषम् भाग-2' के शीर्षक पाठ 'भारतमहिमा' से लिया गया है। भारतवर्ष को प्राचीनकाल से ही इतना महत्व दिया गया है कि देवगण भी यहाँ जन्म लेने के लिए तरसते हैं। यह भारतभूमि सदैव निर्मला और ममतामयी है। यह भारतवर्ष के नाम से प्रसिद्ध है। यहाँ अनेक प्रकार के लोग धर्म, जाति का भेद किए बिना एकता की भावना धारण किए हुए निवास करते हैं।

22. (क) विश्वविश्रुत ग्रंथ महाभारत के उद्योगपर्व का विशेष अंश 'विदुरनीति' से संकलित यह पाठ मूर्खों के लक्षणों को प्रकट करते हुए बताता है कि बिना पूछे

https://www.evidyarthi.in/

बोलनेवाला, बिना बुलाए आनेवाला और अविश्वासी पर विश्वास करने वाला निश्चय ही मूर्ख और मनुष्यों में नीच होता है।

(ख) (i) यह उक्ति कर्मवीर-कथा से ली गई है।

(ii) राम प्रवेश राम की

(iii) उद्योगी पुरूष के पास लक्ष्मी आती है।

23. (क) शैशव संस्कारे

(ख) चन्द्रादित्यस्य

(ग) चत्वार:

(घ) शिक्षक:

https://www.evidyarthi.in/